

Daily Current Affairs

Date : 13 August, 2025



अनुक्रमणिका

| क्र. सं. | टॉपिक का नाम |
|----------|--|
| 1. | राजस्थान की पहली सैक्स सोर्टेड सीमन लैब |
| 2. | सरिस्का टाइगर रिज़र्व का क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (CTH) |
| 3. | बांसवाड़ा की 'धाड़' परंपरा |
| 4. | अनीता राठी - पावरलिफ्टिंग में 4 पदक |
| 5. | न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. ट्रैवल एंड टूरिज़्म फेयर (TTF) मुंबई 2. विदेश मंत्रालय की पब्लिक डिप्लोमेसी इनिशिएटिव 3. पोर्टेबल एक्सरे मशीन स्थापित करने वाला राज्य का पहला जैविक उद्यान - नाहरगढ़ 4. राजस्थान सरकार के 3 विभागों का पूर्ण स्वदेशीकरण 5. राज्य स्तरीय फसल कटाई प्रशिक्षण |
| 6. | आयकर और कराधान कानून संशोधन विधेयक, 2025 |
| 7. | SHRESTH (श्रेष्ठ) पहल |
| 8. | वैश्विक प्लास्टिक संधि वार्ता |
| 9. | स्टीलथ फ्रिगेट्स उदयगिरि और हिमगिरि |
| 10. | संसद प्रश्न: - COP-29 के परिणाम |
| 11. | विश्व हाथी दिवस-2025 |
| 12. | मेगा टिकरिंग डे : 12 अगस्त |

--: 1 :-

Daily Current Affairs

Date : 13 August, 2025



| | |
|-----|--|
| 13. | जतन योजना |
| 14. | पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को हटाने की प्रक्रिया |
| 15. | नम्रता बत्रा : वुशु |
| 16. | शुभमन गिल : ICC मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ (जुलाई) |
| 17. | 15वीं जूनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2025 |
| 18. | न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. सुचेस मसरा 2. शिनमोएडेके ज्वालामुखी : जापान 3. WHO ने केन्या को स्लीपिंग सिकनेस से मुक्त घोषित किया |



राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान की पहली सेक्स सॉर्टेड सीमेन लैब

➔ चर्चा में क्यों?

- 11 अगस्त, 2025 को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने जयपुर जिले के बस्सी में फ्रोजन सीमेन बैंक में स्थापित राजस्थान की पहली सेक्स सॉर्टेड सीमेन लैब का उद्घाटन किया।



➔ मुख्य बिंदु :

- इस लैब का विकास नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) और राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (RCDF) द्वारा किया गया है।
- इस लैब में प्रतिवर्ष 10 लाख डोज़ सीमेन का उत्पादन किया जाएगा। सीमेन की ब्रांडिंग राजस्थान तथा अन्य राज्यों में सरस ब्रांड के अंतर्गत की जाएगी।
- लैब में नई तकनीक से भैंस की मुर्ना नस्ल, गाय की विदेशी नस्ल हॉलस्टियन फ्रोजियन (HF), क्रॉसब्रिड हॉलस्टियन फ्रोजियन (CBHF), और देशी नस्लें; गिर, साहीवाल, थारपारकर व राठी के सेक्स सॉर्टेड डोज तैयार किए जाएंगे।
- सीमेन डोज के मूल्य निर्धारण में सेक्स-सॉर्टेड सीमेन के लिए ₹239/डोज, स्वदेशी पारंपरिक सीमेन के लिए ₹22/डोज तथा आयातित नस्ल के सीमेन के लिए ₹30/डोज निर्धारित किया गया है।

- यह पहल राज्य में उन्नत एवं वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा देने, दूध उत्पादन में वृद्धि करने और पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।
- इससे राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पशुधन विकास को नई दिशा प्राप्त होगी।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- हाल ही में, राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (RCDF), राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) के मध्य बस्सी सीमेन स्टेशन के प्रबंधन और संचालन के लिए एक त्रिपक्षीय समझौता सम्पन्न हुआ।
- इस समझौते का उद्देश्य राजस्थान में कृत्रिम पशु गर्भाधान के लिए पारंपरिक और सेक्स-सॉर्टेड सीमेन डोज का उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाना है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

सेक्स सॉर्टेड सीमेन (SSS)

- सेक्स सॉर्टेड सीमेन (Sex-Sorted Semen) वह शुक्राणु होते हैं, जिन्हें विशेष तकनीक से पुरुष (Y) या महिला (X) गुणसूत्रों के आधार पर विभाजित किया जाता है।
- इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य लिंग चयन करना है, ताकि इच्छित लिंग के बच्चे की गर्भधारण प्रक्रिया को सुनिश्चित किया जा सके।
- इसमें, Y-गुणसूत्र (जो पुरुष लिंग के लिए जिम्मेदार होता है) और X-गुणसूत्र (जो महिला लिंग के लिए जिम्मेदार होता है) वाले शुक्राणुओं को अलग किया जाता है। फिर इन्हें कृत्रिम गर्भाधान के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिससे लिंग चयन का नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है।

सरिस्का टाइगर रिजर्व का क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (CTH)

➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सरिस्का टाइगर रिजर्व के क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (CTH) का नया ड्राफ्ट पुनर्विचार के लिए राज्य सरकार को लौटा दिया गया।



➔ मुख्य बिंदु :

- सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यह ड्राफ्ट बनाते समय नियमों की पालना ना किए जाने का हवाला दिया गया।
- राज्य सरकार द्वारा सरिस्का में आने वाले क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (CTH) में खनन गतिविधियों के चलते बफर जोन में बदलाव की सिफारिश की गई थी।
- ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार की तरफ से हाल ही में सरिस्का टाइगर रिजर्व के क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (CTH) में बदलाव की अधिसूचना जारी की गई थी। इसमें बफर जोन को 42 किमी. कम किया गया था।
- सुप्रीम कोर्ट ने 15 मई, 2024 को सरिस्का में खानों को बंद करने के आदेश जारी किए थे।

क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (CTH)

- क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट को राज्य सरकारों द्वारा वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत अधिसूचित किया जाता है।
- इसे टाइगर रिजर्व के 'कोर क्षेत्र' के रूप में भी जाना जाता है। भारत में क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट के तहत सबसे बड़ा क्षेत्र 'श्रीशैलम टाइगर रिजर्व' का 'नागार्जुनसागर' क्षेत्र है।
- यह राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्यों के सीमांत क्षेत्र होते हैं। इन्हें वनस्पतियों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना बाघ संरक्षण के उद्देश्य से अनुल्लंघित रखा जाता है।

सरिस्का टाइगर रिजर्व:

- सरिस्का टाइगर रिजर्व अरावली की पहाड़ियों में अलवर जिले में स्थित है।
- इसे वर्ष 1955 में वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था। बाद में, वर्ष 1978 में इसे बाघ अभयारण्य का दर्जा मिला और यह प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल हो गया।
- कांकनवाड़ी किला इस रिजर्व के मध्य में बना हुआ है। माना जाता है कि मुगल सम्राट औरंगजेब ने सत्ता संघर्ष के दौरान अपने भाई दारा शिकोह को इसी किले में कैद किया था।
- यहां पांडवों से जुड़े पांडुपोल नामक स्थल पर भगवान हनुमान का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है।

बाघ के बारे में:

- वैज्ञानिक नाम - पैथेरा टाइग्रिस।
- विश्व के कुल बाघों की संख्या का 75 प्रतिशत भारत में पाया जाता है।

संरक्षण स्थिति:

- भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 में।
- अन्तरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय (Endangered)
- वन्यजीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अन्तरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) के परिशिष्ट- I में सूचीबद्ध।

बांसवाड़ा की 'धाड़' परंपरा

➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, बांसवाड़ा के टामटिया से गौतमेश्वर महादेव मंदिर तक स्थानीय महिलाओं द्वारा 'धाड़ निकालने' की परंपरा का आयोजन किया गया।

➔ मुख्य बिंदु :

- बांसवाड़ा में अच्छी बारिश की कामना के लिए इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए यहां की महिलाओं की अनूठी परंपरा है।
- इस परंपरा के तहत महिलाएं पुरुषों का वेश धारण करती हैं। पुरुषों जैसे धोती-कुर्ते और पगड़ी पहनती हैं और हाथ में लट्टू और तलवार लेकर धाड़ निकालती हैं। मान्यता है कि इससे इंद्र देव प्रसन्न होकर वर्षा करते हैं।
- इसे स्थानीय भाषा में 'धाड़ निकालना' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'प्रतीकात्मक डकैती।'
- इस दौरान महिलाओं के काफिले के सामने कोई पुरुष नहीं आता है, अगर कोई पुरुष सामने आ जाए, तो इसे अपशकुन माना जाता है।
- बांसवाड़ा में मान्यता है कि बारिश न हो तो खेत सूख जाते हैं, अन्न नहीं होता, हालात बिगड़ते हैं और अपराध बढ़ते हैं। इसीलिए महिलायें धाड़ निकालकर चेतावनी देती हैं कि यदि समय पर बारिश नहीं हुई, तो हालात ऐसे होंगे जैसे लूट मच गई हो।

अनीता राठी - पावरलिफ्टिंग में 4 पदक

➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, बाड़मेर निवासी अनीता राठी ने कोझिकोड, कालीकट में आयोजित नेशनल मास्टर्स क्लासिक एवं इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन रजत एवं एक स्वर्ण पदक सहित कुल चार पदक जीते।



➔ मुख्य बिंदु :

- इस चैंपियनशिप का आयोजन केरल राज्य पावरलिफ्टिंग संघ एवं पावरलिफ्टिंग इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।
- अनीता राठी ने 63 किलो ग्राम भार वर्ग में भाग लेते हुए पदक जीते।
- अनीता ने बेंच प्रेस में स्वर्ण पदक, स्क्वाट में रजत पदक, डेड लिफ्ट में रजत पदक एवं ओवरऑल में कुल 290 किलो वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम किया।

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

| क्र. सं. | न्यूज़ |
|----------|--|
| 1. | <p>ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (TTF) मुंबई</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने मुंबई स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (TTF) के मुंबई संस्करण का उद्घाटन किया।उल्लेखनीय है कि गुजरात के गांधीनगर में ट्रैवल एंड टूरिज्म फेस्टिवल (TTF) के दौरान राजस्थान पर्यटन विभाग को TTF उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। |
| 2. | <p>विदेश मंत्रालय की पब्लिक डिप्लोमेसी इनिशिएटिव</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, लैटिन अमेरिकी देशों के 24 कंटेंट क्रिएटर्स ने विदेश मंत्रालय की पब्लिक डिप्लोमेसी इनिशिएटिव के तहत भारत का भ्रमण किया।इसी कड़ी में क्रिएटर्स ने राजस्थान के प्रमुख शहरों का भी दौरा किया तथा राजस्थान की समृद्ध विरासत, जीवंत संस्कृति और विविधतापूर्ण जीवन शैली से रूबरू हुए। |

3.

**पोर्टेबल एक्सरे मशीन स्थापित करने वाला राज्य का पहला जैविक
उद्यान - नाहरगढ़**



- ◆ हाल ही में, नाहरगढ़ जैविक उद्यान के रेस्क्यू सेंटर स्थित वेटेरनरी अस्पताल में पोर्टेबल एक्सरे मशीन स्थापित की गई।
- ◆ इस एक्सरे मशीन के स्थापित होने से वन्यजीवों के इलाज में तत्परता आएगी तथा बाघ, तेंदुए और शेर जैसे वन्यजीवों को अन्यत्र नहीं ले जाना पड़ेगा।
- ◆ नाहरगढ़ जैविक उद्यान इस प्रकार की सुविधा शुरू करने वाला राज्य का पहला उद्यान है।

4.

राजस्थान सरकार के 3 विभागों का पूर्ण स्वदेशीकरण

- ♦ राजस्थान के शिक्षा, पंचायती राज एवं संस्कृत शिक्षा विभाग में किसी भी प्रकार के विदेशी सामान की खरीद पर रोक लगा दी गई है।
- ♦ इन विभागों में अब केवल भारत में निर्मित स्वदेशी सामनों का ही उपयोग किया जाएगा।
- ♦ विभागों के पूर्ण स्वदेशीकरण से भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी पहलों को समर्थन मिल सकेगा।

5.

राज्य स्तरीय फसल कटाई प्रशिक्षण

- ♦ हाल ही में, राजस्व मण्डल, अजमेर द्वारा राज्य स्तरीय फसल कटाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- ♦ इसका आयोजन खरीफ सीजन वर्ष 2025-26 में आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण योजनान्तर्गत आयोजित होने वाले फसल कटाई प्रयोगों हेतु किया गया।

राष्ट्रीय परिदृश्य

आयकर और कराधान कानून संशोधन विधेयक, 2025

➔ चर्चा में क्यों?

- 12 अगस्त, 2025 को संसद ने आयकर अधिनियम, 1961 को प्रतिस्थापित कर नया आयकर और कराधान कानून संशोधन विधेयक, 2025 को पारित कर दिया।



➔ मुख्य बिंदु :

- विधेयक पेश : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा।
- लागू : 1 अप्रैल, 2026
- दृष्टिकोण : यह नया विधेयक "पहले विश्वास करो, बाद में जाँच करो" के दृष्टिकोण पर आधारित है।

Daily Current Affairs

Date : 13 August, 2025



- **उद्देश्य :** कराधान को सरल, संक्षिप्त, सुबोध, पठनीय, अधिक पारदर्शी तथा सभी के लिए अनुपालन योग्य बनाना।
- सरल और स्पष्ट कानूनी भाषा जिससे करदाताओं के लिए कानूनी विशेषज्ञता की आवश्यकता के बिना इसे समझना और अनुपालन करना आसान हो जाता है।
- संक्षिप्त और अधिक कुशल जिससे करदाताओं और अधिकारियों, दोनों के लिए प्रक्रिया सरल हो जाएगी।
- नए कर का समावेश नहीं जिससे करदाता आसानी से और न्यूनतम नौकरशाही बाधाओं के साथ प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं।
- **अधिनियम :** 536 धाराओं और 16 अनुसूचियों में व्यवस्थित किया गया।
- **प्रमुख परिवर्तन :**
- **उच्च छूट सीमा :** आयकर छूट सीमा को 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये किया गया, जिससे निम्न आय वाले करदाताओं को लाभ होगा।
- **CBDT की शक्तियों में वृद्धि :** इससे डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा मिलेगा।
- **युक्तिसंगत TDS /TCS :** शून्य TDS प्रमाणपत्र की सुविधा के साथ अनुपालन बोझ को कम करके स्रोत पर कर कटौती (TDS) और स्रोत पर कर संग्रहण (TCS) प्रावधानों को सरल बनाया गया है।

SHRESTH (श्रेष्ठ) पहल

→ चर्चा में क्यों?

- 12 अगस्त, 2025 को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव सलिला श्रीवास्तव ने दवा की गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए राज्य स्वास्थ्य नियामक उत्कृष्टता सूचकांक (श्रेष्ठ) पहल का शुभारंभ किया।



→ मुख्य बिंदु :

- **पूर्ण नाम :** स्टेट हेल्थ रेगुलेटरी ऐक्सीलेन्स इंडेक्स (SHRESTH)/ राज्य स्वास्थ्य नियामक उत्कृष्टता सूचकांक।
- **प्रस्तावित :** केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO)।

- **उद्देश्य :** सम्पूर्ण भारत में राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों के प्रदर्शन में सुधार लाना है, जिससे औषधि सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों का निरंतर पालन हो सके।
- यह एक पारदर्शी और आँकड़ों पर आधारित ढाँचे के माध्यम से राज्य औषधि नियामक प्रणालियों को मानकीकृत और सुदृढ़ करने हेतु अपनी तरह की पहली राष्ट्रीय पहल है।
- **दो श्रेणियों में विभाजित :** इस पहल के तहत राज्यों को दो श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा जिसमें विनिर्माण राज्य और प्राथमिक वितरण राज्य/केंद्र शासित प्रदेश और सूचकांक के अनुसार ही उन्हें रैंकिंग दी जाएगी।
 1. **विनिर्माण राज्य :** श्रेष्ठ में पाँच प्रमुख विषयों पर विनिर्माण राज्यों के लिए 27 सूचकांक होंगे: मानव संसाधन, बुनियादी ढाँचा, लाइसेंसिंग गतिविधियाँ, निगरानी गतिविधियाँ और जवाबदेही आदि।
 2. **प्राथमिक वितरण राज्य :** प्राथमिक वितरण राज्यों के लिए 23 सूचकांक होंगे।
- राज्य पूर्वनिर्धारित मानकों पर डेटा को CDSCO को पेश करेंगे, जो प्रति माह की 25 तारीख तक एकत्र किया जाएगा और इन मानकों को अगले महीने की पहली तारीख को स्कोर किया जाएगा और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

वैश्विक प्लास्टिक संधि वार्ता

→ चर्चा में क्यों?

- 10 अगस्त, 2025 को समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण पर एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी साधन विकसित करने के लिए जिनेवा में अंतर-सरकारी वार्ता समिति (INC-5.2) के पुनः आरंभ हुए पाँचवें सत्र के मध्य में, 184 राष्ट्र प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने में सक्षम संधि को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए एकत्रित हुए।



→ मुख्य बिंदु :

- कनाडाई कलाकार और कार्यकर्ता बेंजामिन वॉन वॉंग की कलाकृति 'द थिंकर्स बर्डन' के पास में प्लास्टिक की वस्तुएँ दिखाई दे रही हैं। यह कलाकृति रोडिन के प्रतिष्ठित थिंकर का 6 मीटर ऊँचा मूर्तिकला रीमिक्स है, जिसे विशेष रूप से प्लास्टिक संधि वार्ता के लिए बनाया गया था।

Daily Current Affairs

Date : 13 August, 2025



- **संधि हस्ताक्षर पर विवाद का मुख्य मुद्दा :** क्या देशों को वर्जिन प्लास्टिक पॉलिमर (पेट्रोलियम से प्राप्त कच्चे माल से बने) के उत्पादन को कम करने के लक्ष्यों पर सहमत होना चाहिए।
- यह प्लास्टिक प्रदूषण पर पहली बार कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि पर सहमति बनाने का प्रयास है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- यह वार्ता INC-5 के बाद हो रही है, जो नवंबर-दिसंबर, 2024 में कोरिया के बुसान में हुई थी। उस बैठक से पहले चार सत्र हो चुके हैं: INC-1, जो नवंबर, 2022 में पुंटा डेल एस्ते में हुआ था, INC-2, जो जून, 2023 में पेरिस में हुआ था, INC-3, जो नवंबर, 2023 में नैरोबी में हुआ था, और INC-4, जो अप्रैल, 2024 में ओटावा में हुआ था।
- संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास के अनुसार, 2023 में वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन 436 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुँच जाएगा, जबकि प्लास्टिक का व्यापार 1.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा, जो वैश्विक व्यापारिक व्यापार का 5 प्रतिशत है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

स्टीलथ फ्रिगेट्स उदयगिरि और हिमगिरि

➔ चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना 26 अगस्त, 2025 को दो अत्याधुनिक स्टीलथ फ्रिगेट्स, उदयगिरि (एफ35) और हिमगिरि (एफ34) को एक साथ नौसेना में शामिल करने के लिए तैयार है।



➔ मुख्य बिंदु :

प्रौद्योगिकी और स्वदेशी निर्माण की सफलता

- यह समावेश भारत के नौसैनिक आधुनिकीकरण और स्वदेशी निर्माण क्षमता का प्रतीक है, जो मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल की सफलता को दर्शाता है।
- उदयगिरि मुंबई स्थित मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) द्वारा और हिमगिरि को कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा निर्मित किया गया है।
- उदयगिरि नौसेना के युद्धपोत डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन किया गया 100वाँ जहाज है।

प्रमुख तकनीकी विशेषताएँ

- पी17ए स्टीलथ फ्रिगेट्स का विस्थापन लगभग 6,700 टन है, जो कि उनके पूर्ववर्ती शिवालिक-श्रेणी के फ्रिगेट्स से 5% बड़े हैं, रडार क्रॉस सेक्शन कम है।

- इन जहाजों में संयुक्त डीजल या गैस (CODOG) प्रणोदन संयंत्र का उपयोग किया गया है, जिसमें डीजल इंजन और गैस टर्बाइन होते हैं, जो कंट्रोलेबल-पिच प्रोपेलर और एक एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली (IPMS) से नियंत्रित होते हैं।

हथियार प्रणाली

- सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें
- मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें
- 76 मिमी एमआर गन, 30 मिमी और 12.7 मिमी क्लोज-इन वेपन सिस्टम
- एंटी-सबमरीन/अंडरवाटर वेपन सिस्टम।

स्वदेशी निर्माण और रोजगार सृजन

- ये दोनों जहाज 200 से अधिक MSMEs (सूक्ष्म, लघु और मध्य उद्योग) के सहयोग से बनाए गए हैं, जिससे 4,000 प्रत्यक्ष और 10,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं।
- 2025 में अन्य स्वदेशी प्लेटफार्म जैसे विध्वंसक आईएनएस सूरत, फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि, पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर, और एएसडब्ल्यू शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्नाला का भी जलावतरण किया जाएगा।

महत्व

- विशाखापत्तनम में होने वाला यह समारोह केवल एक नौसैनिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह भारत की मजबूत और आत्मनिर्भर समुद्री रक्षा प्रणाली की ओर कदम बढ़ाने का उत्सव है।
- यह समारोह मेक इन इंडिया पहल का एक सशक्त प्रतीक है, और भारत की बढ़ती समुद्री ताकत का संकेत देता है।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

संसद प्रश्न: - COP-29 के परिणाम

➔ चर्चा में क्यों?

- इस संदर्भ में जानकारी केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री, श्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

➔ मुख्य बिंदु :

भारत की निराशा:

- भारत ने COP-29 में नए सामूहिक परिमाणित लक्ष्य (NCQG) के परिणाम पर अपनी निराशा व्यक्त की।
- भारत का मानना है कि यह लक्ष्य विकासशील देशों की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को संबोधित नहीं करता है और यह सीबीडीआर-आरसी (साझा लेकिन विभेदित उत्तरदायित्व और संबंधित क्षमताओं) और समानता के सिद्धांत के अनुरूप नहीं है।

विकासशील देशों की वित्तीय आवश्यकताएँ:

- COP-29 में 2035 तक प्रति वर्ष 300 बिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन भारत का मानना है कि यह लक्ष्य विकासशील देशों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है।

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन (UNFCCC) के अनुसार, विकासशील देशों की वित्तीय आवश्यकताएँ 2030 तक 5.1-6.8 ट्रिलियन डॉलर (प्रति वर्ष 455-584 बिलियन डॉलर) तक हो सकती हैं।

बहुपक्षीय विकास बैंकों (MDBs) का योगदान:

- MDBs द्वारा जलवायु वित्तीय प्रयासों को 300 बिलियन डॉलर के लक्ष्य में शामिल किया गया है, लेकिन यह विकासशील देशों के लिए पर्याप्त नहीं है, क्योंकि विकसित देशों को जलवायु वित्त प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।
- पेरिस समझौते और UNFCCC के सिद्धांतों के तहत विकसित देशों को विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्त उपलब्ध कराने का दायित्व है।

भारत का प्रस्ताव:

- भारत ने "1.3टी के लिए बाकू से बेलेम रोडमैप" पर अपने विचार प्रस्तुत किए हैं।
- इस रोडमैप में विकासशील देशों के दृष्टिकोण और चिंताओं को प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए और इसके सुझावों को UNFCCC और पेरिस समझौते के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए, जिनमें समानता, साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारियाँ, और सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांत शामिल हैं।
- पेरिस समझौते के अनुच्छेद 9.1 का पालन किया जाना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण दिवस

विश्व हाथी दिवस-2025

→ चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2025 के विश्व हाथी दिवस का राष्ट्रीय समारोह 12 अगस्त, 2025 को तमिलनाडु के कोयंबटूर में आयोजित किया गया।

→ मुख्य बिंदु :

- यह वार्षिक समारोह हाथियों के संरक्षण और उनके दीर्घकालिक अस्तित्व को सुनिश्चित करने के उपायों को मज़बूत करने की वैश्विक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।
- कोयंबटूर में होने वाले कार्यक्रम में मनुष्य और हाथी के बीच संघर्ष को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

आयोजन का आयोजन:

- यह आयोजन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और तमिलनाडु वन विभाग के सहयोग से होगा।
- केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

भारत में हाथियों की स्थिति:

- भारत में दुनिया के 60 प्रतिशत जंगली हाथियों की आबादी पाई जाती है, जो भारत को हाथी संरक्षण में महत्त्वपूर्ण बनाती है।
- भारत में 33 हाथी अभयारण्य और 150 गलियारे हैं, जो देश के मजबूत संरक्षण ढाँचे को दर्शाते हैं।

मेगा टिंकरिंग डे : 12 अगस्त

→ चर्चा में क्यों?

- 12 अगस्त, 2025 को नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन और से सम्पूर्ण देश में 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स के 4.5 लाख से अधिक छात्रों के साथ 'मेगा टिंकरिंग डे' का आयोजन किया।



→ मुख्य बिंदु :

- आयोजन : 12 अगस्त, 2025 को 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में।
- यह कार्यक्रम अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा व साक्षरता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

योजनाएँ

जतन योजना

➔ चर्चा में क्यों?

- जतन योजना का उद्देश्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित स्मारकों और संस्कृतियों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए आवश्यक संसाधनों का आवंटन करना है।
- यह योजना पुरातात्विक स्थलों, संग्रहालयों और कलाकृतियों के डिजिटलीकरण पर विशेष ध्यान देती है, ताकि इनकी सुरक्षा और प्रचार किया जा सके।

➔ मुख्य बिंदु :

वित्तीय आवंटन और उपयोग:त

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से स्मारकों के संरक्षण के लिए राज्य और संघ राज्य क्षेत्रवार धनराशि आवंटित की जाती है।
- धनराशि का आवंटन आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर किया जाता है।

डिजिटलीकरण पहल:

- जतन योजना के तहत, एएसआई ने गोवा और नागार्जुनकोंडा के पुरातात्विक संग्रहालयों में डिजिटलीकरण की प्रक्रिया पूरी की है:
- गोवा संग्रहालय (वेल्ला गोवा) से 726 कलाकृतियाँ डिजिटलीकृत की गईं।
- नागार्जुनकोंडा संग्रहालय (आंध्र प्रदेश) से 7,941 कलाकृतियाँ डिजिटलीकृत की गईं।

मेटाडेटा मानक:

- जतन योजना में मेटाडेटा मानक को डबलिंग कोर के रूप में जाना जाता है, जिसे संग्रह और उनकी जानकारी को संगठित और संरक्षित करने के लिए उपयोग किया जाता है।

राजव्यवस्था

पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को हटाने की प्रक्रिया

➔ चर्चा में क्यों?

- पहले चरण में 9 अगस्त 2025 को 334 दलों को सूची से हटाया गया, जिससे पंजीकृत दलों की संख्या 2,854 से घटकर 2,520 हो गई।
- दूसरे चरण में, 476 और दलों की पहचान की गई और उन्हें सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई।



➔ मुख्य बिंदु :

- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29A के तहत भारत में राजनीतिक दल (राष्ट्रीय/राज्य स्तर/पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त) भारत निर्वाचन आयोग में पंजीकृत होते हैं।
- इस अधिनियम के तहत पंजीकरण के बाद, राजनीतिक दलों को चुनाव चिह्न, कर छूट और अन्य विशेषाधिकार मिलते हैं।
- पंजीकरण दिशानिर्देशों में यह उल्लेख किया गया है कि यदि कोई दल 6 वर्षों तक चुनाव नहीं लड़ता, तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाएगा।

Daily Current Affairs

Date : 13 August, 2025



- निर्वाचन आयोग ने 2019 से 6 वर्षों तक चुनाव न लड़ने वाले दलों की पहचान करने और उन्हें सूची से हटाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है।
- राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसी भी दल को अनुचित रूप से सूची से न हटाया जाए।
- मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर, अंतिम निर्णय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिया जाएगा।
- यह प्रक्रिया निर्वाचन आयोग की व्यापक नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य निर्वाचन व्यवस्था को बेहतर और पारदर्शी बनाना है।

व्यक्तित्व

नम्रता बत्रा : वुशु

→ चर्चा में क्यों?

- 12 अगस्त, 2025 को भारतीय वुशु खिलाड़ी नम्रता बत्रा ने चीन के चेंगदू में आयोजित 2025 विश्व खेलों में महिलाओं के 52 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में रजत पदक जीता।



→ मुख्य बिंदु :

- यह विश्व खेलों में वुशु में भारत का पहला पदक था और पुरुषों की कंपाउंड तीरंदाजी में ऋषभ यादव के कांस्य पदक के बाद चल रहे संस्करण में देश का दूसरा पोजियम फिनिश था।
- वर्ष 2024 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता और चार बार के राष्ट्रीय चैंपियन 24 वर्षीय खिलाड़ी नम्रता बत्रा, विश्व खेलों की वुशु स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। उन्होंने फाइनल में मेग्यू चैन से हारकर रजत पदक जीता।
- नम्रता ने सेमीफाइनल में फिलीपींस की क्रिज़न फेथ कोलाडो को हराया तथा वियतनाम की थी फुओंग नगा ने कांस्य पदक जीता।
- भारत ने अब तक विश्व खेलों के इतिहास में कुल सात पदक जीते हैं - एक स्वर्ण (आदित्य स्नेहल मेहता, स्नूकर, 2013), दो रजत और चार कांस्य।

शुभमन गिल : ICC मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ (जुलाई)



| पुरस्कार | विजेता | अन्य तथ्य |
|---------------------------------------|-----------------------------------|--|
| ICC पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार | भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल | यह गिल का चौथा प्लेयर ऑफ द मंथ का सम्मान है गिल को इससे पूर्व जनवरी 2023, सितंबर 2023 और फरवरी 2025 में ICC प्लेयर ऑफ़ द मंथ का पुरस्कार मिला था। |
| | | 25 वर्षीय गिल ने इंग्लैंड में जुलाई में खेले गए तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाकर चार बार प्लेयर ऑफ़ द मंथ का पुरस्कार जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। |
| | | गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है। |
| ICC महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार | इंग्लैंड की बल्लेबाज सोफिया डंकले | भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर दोनों प्रारूपों के सभी सात मैच खेले, तीन वनडे में 126 रन और चार T20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 134.57 के स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए। |
| | | T20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में इंग्लैंड की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। |

खेल परिदृश्य

15वीं जूनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2025

➔ चर्चा में क्यों?

- 15वीं जूनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2025 में झारखंड महिला हॉकी टीम ने फाइनल में हॉकी हरियाणा को हराकर लगातार दूसरे वर्ष चैंपियन बन गई हैं।

15TH HOCKEY INDIA JUNIOR WOMEN
NATIONAL CHAMPIONSHIP 2025
KAKINADA, ANDHRA PRADESH
1 to 12 AUGUST 2025



FINAL

HOCKEY HARYANA



HOCKEY JHARKHAND

1

2

#IndiaKaGame

Daily Current Affairs

Date : 13 August, 2025



➔ मुख्य बिंदु :

- **आयोजन :** यह चैंपियनशिप 1 से 12 अगस्त, 2025 तक आंध्रप्रदेश के काकीनांडा में आयोजित की गई थी।
- स्वीटी डुंगडुंग कुल 5 गोल के साथ चैंपियनशिप में सबसे ज़्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी बन गई।
- झारखंड महिला हॉकी टीम ने वर्ष 2018, 2019, 2024 और 2025 में चार बार जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती।
- झारखंड की महिला हॉकी टीम ने इस वर्ष 2025 में तीनों श्रेणियों सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती है।

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

| क्र. सं. | न्यूज़ |
|----------|---|
| 1. | <p style="text-align: center;">सुचेस मसरा</p>  <ul style="list-style-type: none">◆ 12 अगस्त, 2025 को चाड के पूर्व प्रधानमंत्री सुचेस मसरा को राजधानी एनजामेना की एक आपराधिक अदालत ने 20 साल कैद की सजा सुनाई।◆ कारण : एक सरकारी जाँच में आरोप लगाया गया कि उन्होंने लोगों को हिंसा के लिए उकसाया था, जिसके कारण दक्षिण-पश्चिमी प्रांत लोगोन ऑक्सिडेंटल के मंडाकाओ गाँव में हुई झड़पों में 42 लोगों की मौत हो गई थी। |

2.

शिनमोएडेके ज्वालामुखी : जापान



- ◆ 10 अगस्त, 2025 को जापान की किरीशिमा पर्वत श्रृंखला में स्थित शिनमोएडेके ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ।,

3.

WHO ने केन्या को स्लीपिंग सिकनेस से मुक्त घोषित किया



- ◆ हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने केन्या को मानव अफ्रीकी ट्रिपैनोसोमियासिस (निद्रा रोग) से मुक्त घोषित किया।
- ◆ इस घोषणा के साथ ही केन्या 10वाँ देश बन गया है।
- ◆ मानव अफ्रीकी ट्रिपैनोसोमियासिस केन्या में समाप्त होने वाला दूसरा उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग है, इससे पूर्व वर्ष 2018 में देश को गिनी कृमि रोग मुक्त होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया था।
- ◆ **परजीवी** : विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, यह रोग संक्रमित त्सेत्से मक्खियों द्वारा प्रसारित प्रोटोजोआ परजीवियों के कारण होता है।
- ◆ **लक्षण** : बुखार, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, तथा उन्नत अवस्था में, तंत्रिका संबंधी लक्षण जैसे भ्रम, नींद में व्यवधान तथा व्यवहार में परिवर्तन शामिल हैं।

SERVICES